एक झोली में फूल भरे हैं .....

एक झोली में फूल भरे हैं, एक झोली में काँटे रे ।
तेरे बस में कुछ भी नहीं, ये तो बांटने वाला बाँटे रे ।
कोई कारण होगा, अरे कोई कारण होगा ।
पहले बनती है तकदीरें, फिर बनते हैं शरीर ।
ये तो प्रभु की कारीगरी, तू क्यों हैं गम्भीर ।।

अरे कोई कारण होगा.....

नाग भी डस ले तो मिल जाये, किसी को जीवन–दान ।
चींटी से भी मिट सकता है, किसी का नामो–निशान ।।

अरे कोई कारण होगा.....

धन का बिस्तर मिल जाये, पर नींद को तरसे नैन ।
काँटों पर भी सोकर आये, किसी के मन को चैन ।।

अरे कोई कारण होगा.....

सागर से भी नहीं बुझ सकती, कभी किसी की प्यास ।
कभी एक बूंद से, हो जाती पूर्ण आस ।।

अरे कोई कारण होगा.....

ऊँचा पानी ना टिके, नीचे ही ठहराय।
नीचा होय सो भरि पिये, ऊँच पियासा जाए।।